

Bihar Board Class 8 Social Science Important Questions Civics

Chapter 4 कानूनों की समझ

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.

रॉलट एक्ट कब लागू किया गया?

उत्तर:

10 मार्च, 1919 को।

प्रश्न 2.

जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ?

उत्तर:

13 अप्रैल, 1919 को।

प्रश्न 3.

जलियाँवाला बाग में किस ब्रिटिश जनरल ने गोलियाँ चलायीं?

उत्तर:

जनरल डायर ने।

प्रश्न 4.

अंग्रेजों ने राजद्रोह कानून कब लागू किया?

उत्तर:

सन् 1870 में।

प्रश्न 5.

भारत सरकार ने महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए कौन-सा कानून बनाया?

उत्तर:

घरेलू हिंसा महिला सुरक्षा कानून।

प्रश्न 6.

राष्ट्रवादियों के बीच किस बात पर पूरी सहमति थी?

उत्तर:

राष्ट्रवादियों के बीच इस बात पर पूरी सहमति थी कि. स्वतंत्र भारत में सत्ता के मनमाने इस्तेमाल की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

प्रश्न 7.

स्वतंत्र भारत के संविधान में कानून पर आधारित शासन की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान क्या

है?

उत्तर:

कानून के शासन की स्थापना के लिए स्वतंत्र भारत के संविधान में सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि भारत में सभी लोग कानून की नजर में बराबर होंगे।

प्रश्न 8.

राजद्रोह से आपका क्या आशय है?

उत्तर:

जब सरकार को ऐसा लगता है कि उसके विरुद्ध प्रतिरोध पैदा हो रहा है या विद्रोह किया जा रहा है तो उसे राजद्रोह कहा जाता है।

प्रश्न 9.

"औपनिवेशिक कानून मनमानेपन पर आधारित था।" इसका कोई एक उदाहरण दीजिये।

उत्तर:

1870 का राजद्रोह एक्ट अंग्रेजी शासन के मनमानेपन का स्पष्ट उदाहरण था।

प्रश्न 10.

1870 के राजद्रोह एक्ट की विशेष बात क्या थी?

उत्तर:

अगर कोई व्यक्ति ब्रिटिश सरकार का विरोध या आलोचना करता था तो उसे मुकदमा चलाए बिना ही गिरफ्तार किया जा सकता था।

प्रश्न 11.

नागरिकों की आवाज संसद तक कैसे पहुंचती है?

उत्तर:

नागरिकों की आवाज टी.वी. रिपोर्टों, अखबारों के संपादकीयों, रेडियो प्रसारणों और आमसभाओं के जरिये संसद तक पहुंचती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.

रॉलट एक्ट क्या था?

उत्तर:

रॉलट एक्ट अंग्रेजों के मनमानेपन की एक मिसाल था। इस कानून के द्वारा ब्रिटिश सरकार बिना मुकदमा चलाए लोगों को कारावास में डाल सकती थी। महात्मा गाँधी सहित सभी भारतीय राष्ट्रवादी नेता रॉलट एक्ट के खिलाफ थे। भारतीय विरोध के बावजूद 10 मार्च, 1919 को रॉलट एक्ट को लागू कर दिया। पंजाब में इस कानून का भारी पैमाने पर विरोध होता रहा।

प्रश्न 2.

नये कानून के निर्माण में नागरिकों की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर:

सबसे पहले समाज के विभिन्न समूह ही किसी खास कानून के लिए आवाज उठाते हैं। वे जनता की चिंताओं को कानून के दायरे में लाने के लिए संसद को जागरूक करते हैं। नागरिकों की यह आवाज टेलीविजन रिपोर्टों, अखबारों के संपादकीयों, रेडियो प्रसारणों और आमसभाओं के जरिये सुनी और व्यक्त की जा सकती है। इन सारे संचार माध्यमों के जरिये संसद का कानून निर्माण का कार्य ठोस और पारदर्शी तरीके से जनता के सामने आता है।

प्रश्न 3.

अलोकप्रिय कानून से क्या आशय है?

उत्तर:

अलोकप्रिय कानून-कई बार संसद ऐसा कानून पारित कर देती है जो बेहद अलोकप्रिय साबित होता है। ऐसा कानून संवैधानिक रूप से वैध होने के कारण कानूनन सही हो सकता है। फिर भी वह लोगों को रास नहीं आता क्योंकि उन्हें लगता है कि उसके पीछे नीयत साफ नहीं थी। इसलिए लोग उसकी आलोचना कर व उसका विरोध कर अपनी असहमति व्यक्त करते हैं। जब बहुत सारे लोग यह मानने लगते हैं कि गलत कानून पारित हो गया है, तो ऐसा कानून अलोकप्रिय कानून कहलाता है।

प्रश्न 4.

संसद के नियंत्रण के लिए नागरिकों की भूमिका को समझाइये।

उत्तर:

प्रतिनिधियों का चुनाव करने के बाद नागरिकों को अखबारों और अन्य संचार माध्यमों के जरिए इस बात की नजर रखनी चाहिए कि संसद क्या कर रही है अर्थात् उनके निर्वाचित सांसद क्या कर रहे हैं। अगर नागरिकों को लगता है कि वे सही काम नहीं कर रहे हैं तो नागरिकों को उनकी आलोचना करते हुए सरकार में अपनी भागीदारी को दिखाना चाहिए। इससे संसद सजग और सतर्क रहेगी और अपना काम सही ढंग से करेगी।